री-इन्वेस्ट 2024 (RE-INVEST 2024)

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) 16 से 18 सितंबर, 2024 तक चौथे वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन एवं एक्सपो (री-इन्वेस्ट 2024) की मेजबानी करेगा।

मुख्य बिंदु:

- यह आयोजन पहली बार दिल्ली से बाहर गुजरात के गांधीनगर में महात्मा मंदिर में आयोजित किया जाएगा।
- यह आयोजन स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में तेजी लाने और जलवायु लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार की उच्च प्राथमिकता को रेखांकित करता है।
- तीन दिवसीय सम्मेलन में सरकार, उद्योग और वित्तीय क्षेत्रों के प्रभावशाली व्यक्तियों सहित 10,000 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है।
- **उद्देश्य:** री-इन्वेस्ट 2024 का केंद्रीय विषय **मिशन 500 गीगावाट** होगा, जो 2030 तक अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का महत्वपूर्ण विस्तार करने के भारत के रणनीतिक लक्ष्य को रेखांकित करता है। स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वैश्विक रूप से चौथे सबसे बड़े देश के रूप में, भारत का लक्ष्य वैश्विक ऊर्जा संक्रमण में अपने नेतृत्व को और मजबूत करना है।
- **प्रतिभागी:** इस वर्ष के आयोजन के लिए प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों में ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, जर्मनी और नॉर्वे शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे भारतीय राज्य सक्रिय रूप से भाग लेंगे। अमेरिका, ब्रिटेन, बेल्जियम, यूरोपीय संघ, ओमान, यूएई, सिंगापुर और हांगकांग के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भाग लेंगे, जिनमें से कुछ प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व जर्मनी और डेनमार्क के मंत्री करेंगे।
- **सम्मेलन और प्रदर्शनी:** सम्मेलन में 44 सत्रों में एक व्यापक एजेंडा शामिल होगा, जिसमें मुख्यमंत्रियों की पूर्ण बैठक, सीईओ गोलमेज सम्मेलन और विभिन्न देशों और राज्यों के लिए विशिष्ट अक्षय ऊर्जा नवाचारों और अवसरों पर केंद्रित चर्चाएँ शामिल होंगी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) इस वर्ष के आयोजन के लिए उद्योग भागीदार है, जो हितधारकों के बीच सफल सहयोग का समर्थन करता है।

भारत की अक्षय ऊर्जा प्रगति

- भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र ने उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, स्वचालित मार्ग के तहत 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर परियोजना जैसी पहलों से उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया है। पीएम कुसुम और पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना जैसे कार्यक्रम इस प्रगति को और बढ़ावा देते हैं।
- चूंकि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के अपने लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है, इसलिए री-इन्वेस्ट 2024 वैश्विक निवेश आकर्षित करने, हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और अपतटीय पवन ऊर्जा क्षमता की खोज करने में सहायक होगा।
- ऊर्जा परिवर्तन को एक जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है, जिसमें आम नागरिक अगली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए राजदूत बनें। केवल सामूहिक प्रयास ही सभी के लिए एक टिकाऊ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।
- भारत और विश्वभर में नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार में तेजी लाने, व्यवसाय के अवसर पैदा करने, पूंजी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए नए रास्ते बनाने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का समर्थन करने और नवीन तकनीकी समाधानों के विकास को बढ़ाने के लिए भारत और जर्मनी ने संयुक्त रूप से विश्वभर में नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए भारत-जर्मनी मंच शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है।

री-इन्वेस्ट पहली बार फरवरी 2015 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था, इसके बाद **अक्टूबर**

2018 में **दिल्ली एनसीआर** में और **नवंबर 2020** में एक वर्चुअल संस्करण आयोजित किया गया। प्रत्येक संस्करण का उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किया गया है, जो भारत के राष्ट्रीय एजेंडे में नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित करता है।

चौथा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

राजभाषा विभाग हिंदी के राजभाषा बनने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में **14-15 सितंबर 2024** को **भारत मंडपम, नई दिल्ली** में **चौथा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन** आयोजित कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग **वर्ष 2021** से प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।
- **पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन 2021 में वाराणसी में आयोजित किया गया था**। इसके बाद, हिंदी दिवस और दूसरा और तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन क्रमशः **2022 में सूरत और 2023 में पुणे** में आयोजित किए गए।
- केंद्रीय गृह मंत्री राजभाषा हीरक जयंती (डायमंड जुबली) के अवसर पर **'राजभाषा भारती' पत्रिका** के डायमंड जुबली विशेषांक का विमोचन करेंगे।

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल

30वें विश्व ओजोन दिवस के मद्देनजर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने **"मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना"** विषय पर एक संवाद आयोजित किया।

मुख्य बिंदु:

- ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल, पृथ्वी की ओजोन परत को नष्ट करने वाले रसायनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करके उसकी रक्षा करने के लिए एक वैश्विक समझौता है।
- इस चरणबद्ध समाप्ति योजना में ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों का उत्पादन और उपभोग दोनों शामिल हैं।
- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के ऐतिहासिक समझौते पर **वर्ष 1987** में हस्ताक्षर किए गए थे और यह वर्ष 1989 में लागू हुआ था।
- **भारत ने 1992** में **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पर हस्ताक्षर किए थे।

ओज़ोन क्या है?

- ओजोन परत ओजोन (O_3) अणुओं की एक पतली परत है जो पृथ्वी की समतापमंडल में स्थित है, जो मुख्य रूप से पृथ्वी की सतह से 15 से 35 किलोमीटर ऊपर के बीच पाई जाती है।
- यह सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी-बी) विकिरण को अवशोषित करके एक आवश्यक भूमिका निभाता है और पृथ्वी को (यूवी-बी) विकिरण के हानिकारक प्रभावों से बचाता है।
- ओजोन परत के बिना, पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं होगा, क्योंकि बढ़ी हुई UV विकिरण त्वचा के कैंसर, मोतियाबिंद और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की उच्च दरों का कारण बन सकती है, साथ ही पारिस्थितिक तंत्र और वन्य जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

विश्व ओजोन दिवस

- यह प्रत्येक वर्ष **16 सितंबर** को मनाया जाता है और मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए जाने की याद दिलाता है, जो ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों को कम करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता है।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का ओजोन सेल **1995** से राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विश्व ओजोन दिवस मना रहा है।
- विश्व ओजोन दिवस 2024 का विषय **"जीवन के लिए ओजोन: वैश्विक सहयोग के 35 वर्ष"** है, जो सभी जीवित जीवों के अस्तित्व के लिए ओजोन परत की रक्षा के दीर्घकालिक महत्व पर प्रकाश डालता है।

तापी पाइपलाइन

अफगानिस्तान तापी पाइपलाइन पर काम शुरू करने वाला है।

मुख्य बिंदु

- अफगानिस्तान में दक्षिण एशिया से होकर गुजरने वाली **10 बिलियन डॉलर** की गैस पाइपलाइन पर काम शुरू होगा।
- संघर्षग्रस्त अफगानिस्तान में सुरक्षा मुद्दों के कारण तापी पाइपलाइन पर प्रगति में बार-बार देरी हुई है।

तापी पाइपलाइन से सम्बंधित तथ्य:

- तापी पाइपलाइन **तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान** और **भारत** से होकर गुजरती है।
- यह **1,814 किलोमीटर** लम्बी पाइपलाइन है जिसका उद्देश्य **तुर्कमेनिस्तान** के **दक्षिण-पूर्व** में स्थित **गल्किनिश गैस क्षेत्र** से निकाली गई **33 बिलियन क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस** को प्रतिवर्ष अफगानिस्तान, पाकिस्तान और अंततः भारत तक पहुंचाना है।
- यह अफगानिस्तान के दक्षिण में **हेरात** और **कंधार** सहित, पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत से होते हुए भारतीय पंजाब के फाजिल्का में समाप्त होगा।

समाचार में प्रजातियाँ:

करकुमा उन्मेंसिस

- हाल ही में, शोधकर्ताओं ने नागालैंड में हल्दी की एक नई प्रजाति की पहचान की है, जिसे करकुमा उंगमेंसिस नाम दिया गया है।
- करकुमा उंगमेंसिस एक प्रकंद जड़ी बूटी है।
- यह जीनस करकुमा (अदरक परिवार ज़िंगिबरेसी) से संबंधित है।
- नामकरण: उंगमा (मोकोकचुंग जिले का गाँव जहाँ यह पाया गया)
- वितरण: करकुमा दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण चीन में व्यापक रूप से वितरित है।
- भारत में यह पूर्वोत्तर और दक्षिणी राज्यों और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पाया जाता है।

योजनाएँ/पहल

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024

- यह पूरे देश में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।
- थीम: इस वर्ष की थीम है स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता।
- 10वीं वर्षगांठ: यह आयोजन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि इस वर्ष स्वच्छ भारत मिशन अपनी दसवीं वर्षगांठ मना रहा है।
- सीटीयू (CTU): सरकार इस वर्ष के अभियान के तहत 2 लाख स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) को बदलेगी। स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए इन सीटीयू साइटों को जिला स्तर पर गैर सरकारी संगठनों और विभिन्न संस्थानों द्वारा अपनाया जाएगा।
- कार्यक्रम के दौरान सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एकल-खिड़की सेवाएं प्रदान करने के लिए सफाई मित्र सुरक्षा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

सरकार ने 2014 से अब तक 11 करोड़ शौचालय बनवाए हैं, जिससे देश भर में 60 करोड़ लोगों को लाभ मिला है। 3.4 करोड़ से ज़्यादा गांव अब ODF प्लस हैं। पिछले साल इस कार्यक्रम में 109 करोड़ से ज़्यादा लोगों ने हिस्सा लिया था।

महत्वपूर्ण दिन/तारीखें

14 सितंबर

हिन्दी दिवस

- यह दिन भारत की संविधान सभा द्वारा देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के निर्णय की वर्षगांठ का प्रतीक है।
- इतिहास: हिंदी दिवस का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के शुरुआती दिनों से जुड़ा है। 1918 में, हिंदी विद्वानों और कार्यकर्ताओं के एक समूह ने हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में बढ़ावा देने के लिए हिंदी साहित्य सम्मेलन का गठन किया।
- सम्मेलन ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने में प्रमुख भूमिका निभाई।
- आधिकारिक भाषा: स्वतंत्रता के बाद, भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया।
- यह निर्णय हिंदी को भारत की भाषा के रूप में बढ़ावा देने और विकसित करने और राष्ट्र के विविध भाषाई और सांस्कृतिक क्षेत्रों को एकजुट करने के लिए लिया गया था।
- प्रथम हिंदी दिवस: पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया था।

14 सितंबर

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस

- यह प्राथमिक चिकित्सा कौशल के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सितंबर के दूसरे शनिवार को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य इस बात पर प्रकाश डालना है कि कैसे ये कौशल जीवन बचा सकते हैं और आपात स्थितियों में सुरक्षा बढ़ा सकते हैं।
- इस उत्सव की जड़ें 19वीं सदी के अंत में रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनेंट के साथ जुड़ी हुई हैं।
- इसे 2000 में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज़ (IFRC) द्वारा स्थापित किया गया था और तब से हर साल मनाया जाता है।
- 2024 का विषय: प्राथमिक चिकित्सा और खेल

महत्वपूर्ण समाचार- अन्य राज्य/केंद्र शासित प्रदेश

लद्दाख

- लद्दाख ज़ांस्कर महोत्सव-2024 का 9वां संस्करण 13-14 सितंबर, 2024 को सानी गांव में आयोजित किया गया। यह महोत्सव एक वार्षिक आयोजन है।
- यह ज़ांस्कर क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक जीवंत उत्सव है।

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली में 7वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन 2024 का उद्घाटन किया।

तेलंगाना

- तेलंगाना राज्य सरकार ने 17 सितंबर को तेलंगाना प्रजा पालन दिवस, यानी जन शासन दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है।
- 1948 में इसी दिन हैदराबाद राज्य का भारतीय संघ में विलय हुआ था।

महत्वपूर्ण समाचार- दुनिया भर में

सेनेगल

सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दिओमाये फेय ने विपक्ष के नेतृत्व वाली संसद को भंग कर दिया है, जिससे छह महीने बाद शीघ्र चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

- सेनेगल पश्चिमी अफ्रीका का सबसे पश्चिमी देश है, जो अटलांटिक महासागर के तट पर स्थित है।
- सेनेगल की सीमा निम्नलिखित देशों से लगती है: गाम्बिया, गिनी, गिनी-बिसाऊ, माली और मॉरिटानिया।

❍❍❍❍